

Code No.: MR-11

Total No. of Questions : 2

Total No. of Printed Pages : 1

स्नातकपरीक्षा:- २०१५
बि.ए. - विद्वन्मध्यमा - तृतीयवर्षम्
शास्त्रम् - नवीनन्यायशास्त्रम्
भाग: - १, पत्रिका - १
विषय: - सामान्यनिरुक्ति:

दिनाङ्क: - 26-3-2015

गरिष्ठाङ्का: - १००

समय: - 10.00 A.M. to 1.00 P.M.

Max. Marks - 100

-
- I. चतुर्णां प्रश्नानां उत्तरं लिखत। 4 × 15 = 60**
१. हेत्वाभासानां तत्त्वनिर्णय प्रयोजकत्वं प्रतिपादयत।
 २. दुष्टहेतुलक्षणत्वे दोषं उद्धाट्य समाधानं कुरुत।
 ३. निरूपकत्व शब्दार्थं विचार्य सिद्धान्तयत।
 ४. अनुमितिघटक द्वितीयदलप्रयोजनं कथयत।
 ५. विशिष्टविषयक ज्ञानस्य प्रतिबन्धकत्वमङ्गीकारे कोदोषः - विवेचयत।
- II. चतुर्णां प्रश्नानां समाधानं लिखत। 4 × 10 = 40**
१. तत्त्वनिर्णयपदस्य अर्थं विवेचयत।
 २. व्यभिचारे अतिप्रसङ्गनिवारणार्थं अनुमितिपदस्य कथं अन्वयः स्पष्टयत।
 ३. लक्षणघटकपदानाम्परिष्कृत्य पदकृत्यं प्रदर्शयत।
 ४. यथार्थपदस्य सार्थक्यं प्रदर्शयत।
 ५. अनुमिति घटकव्याप्तिरन्वयरूपाव्यतिरेकरूपउभयरूपावेति - विचारयत।
-